SA-04

June - Examination 2026
B.A. (Part-II) Examination
SANSKRIT
Gadya, Samas Prakaran Tatha Nibandh
गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध
Paper : SA-04

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) शिवराजविजयम् में गौरसिंह कौन है?
   (ii) महामन्त्री शुकनाश ने किसको उपदेश दिया?
   (iii) बाण गद्य में किस रीति के प्रवर्तक हैं?
   (iv) शिवराजविजयम् में किस रस की प्रधानता है?
   (v) समास को परिभाषित कीजिए।
   (vi) 'उपकृष्णम्' पद का समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।
   (vii) 'त्रयाणां लोकानां समाहारः' का समस्त पद लिखकर समास नाम बताते हुए सूत्रोल्लेख करें।

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक गद्य का सप्रसंग हिन्दी में अनुवाद कीजिए –

   (अ) तस्मिन् पर्वते आसीदेको महाकन्दरः। तस्मिन्नेव महामुनिरेकः समाधौ तिष्ठति स्म। कदा स समाधिमङ्गीकृतवानिती कोऽपि न वेत्ति। ग्रामणी–ग्रामीण–ग्रामाः समागत्य मध्ये मध्ये तं पूजयन्ति स्तुवन्ति च। तं केचित् कपिल इति, अपरे लोमशः इति, इतरे जैगीषव्य इति, अन्ये च मार्कण्डेय इति विश्वसन्ति स्म। स एवायमधुना शिखरादवतरन् ब्रह्मचारिबटुभ्यामदर्शि।

   अथवा

   (ब) गौर सिंहस्तु 'कुटीरान्तः' कन्यकाऽस्ति, सा च यवन – वध – व्यसनिनि मयि जीवति न शक्या द्रष्टुमपि, किं नाम स्प्रष्टुम्? तद् यावत् तव कवोष्णशोणित तृषित एष चन्द्रहासो च चलति, तावत् कूर्दनं वा, उत्फालं वा यच्चिकीर्षसि तद् विधेहि' इत्युक्त्वा व्यालीढमर्य्यादया सज्जः समतिष्ठत।

3. निम्नलिखित में से किसी एक गद्य का सप्रसंग हिन्दी में अनुवाद कीजिए –

(अ) यौवनारंभे च प्रायः शास्त्र जलप्रक्षालननिर्मलापि कालुष्यमुपयाति बुद्धिः। अनुज्झितधवलतापि सरागैव भवति यूनां दृष्टिः। अपहरति च वात्येव शुष्कपत्रं समुद्भूतर – जोभ्रान्तिरतिदूरमात्मेच्छया यौवनसमये पुरुषं प्रकृतिः। इन्द्रियहरिणहरिणी च सततदुरन्ता इयमुपभोगमृगतृष्णिका।

अथवा

(ब) मिथ्यामाहात्म्यगर्वनिर्भराश्च न प्रणमन्ति देवताभ्यः, न पूजयन्ति द्विजातीन, न मानयन्ति मान्यान्, नार्चयन्त्यर्चनीयान्, नाभिवादयन्त्यभिवादनार्हान्, नाभ्युत्तिष्ठन्ति गुरुन् अनर्थकायासान्तरितविषयोप– भोगसुखमित्युपहसन्ति विद्वज्जनम् जरावैक्लव्यप्रलपितमिति पश्यन्ति वृद्धजनोपदेशम् आत्मप्रज्ञापरिभव इत्यसूयन्ति सचिवोपदेशाय।

4. शिवराजविजयम् का ऐतिहासिक मूल्यांकन कीजिए।
5. वर्तमान सन्दर्भ में शुकनासोपदेश की प्रासंगिकता पर लेख लिखिए।
6. शिवराजविजयम् के आधार पर सोमनाथ मन्दिर के वैभव का वर्णन कीजिए।
7. शुकनासोपदेश के आधार पर यौवनावस्था के दोषों का वर्णन कीजिए।
8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए –
   (i) नदीभिश्च
   (ii) उपमानानि सामान्यवचनैः
   (iii) उपपदमतिङ्
   (iv) तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन
9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पदों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए –
   (i) सतृणम्
   (ii) कृष्णाश्रितः
   (iii) ईशकृष्णौ
   (iv) पीताम्बरः

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. लक्ष्मीपरिगृहीत राजाओं की दशा का वर्णन कीजिए।
11. शुकनासोपदेश के आधार पर बाणभट्ट की गद्यशैली का निरूपण कीजिए।
12. शिवराजविजय के प्रथम निःश्वास के आधार पर तत्कालीन भारत की दशा का वर्णन कीजिए।
13. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए –
   (i) विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्
   (ii) सत्संगतिः कथय किं न करोति पुंसाम्
   (iii) अहिंसा परमो धर्मः
   (iv) आधुनिक युगे संस्कृतशिक्षायाः स्थितिः
